भरतपुर में 18 साल के नेशनल एथलीट की हार्ट अटैक से मौत

एथलीट रिंकू सिंह सुबह उठा तो हाथ-पैरों में कंपकंपी महसूस हुई और बेचैनी हो रही थी

- रिंकू सिंह रोजाना पांच किलोमीटर की दौड़ लगाता था, 10 दिन पहले ही स्टेट चैम्पियनशिप खेलकर आया था
- एथलीट रिंकू सिंह का सपना था कि वह इंडिया के लिए खेले, लेकिन रिंकू का सपना अधूरा रह गया

भरतपुर, (निसं)। 18 साल के नेशनल एथलीट रिंकू सिंह की हार्ट अटैक से मौत हो गई। वह सुबह उठा तो हाथ-पैरों में कंपकंपी महसूस हुई और बेचैनी हो रही थी। बेहोशी छाने पर रूममेट उसे अस्पताल ले गया, जहां डॉक्टर ने मृत घोषित कर दिया। रिंकू रोजाना पांच किलोमीटर की दौड़ लगाता था। वह 10 दिन पहले ही स्टेट चैम्पियनशिप खेल कर आया था। उसे 100 मीटर रिले रेस में तीसरा स्थान मिला था। मामला भरतपुर के अटलबंद थाना इलाके का रविवार सुबह का है।

पोस्टमॉर्टम करने वाले डॉक्टर राघवेंद्र ने बताया कि प्रथमदृष्टया मामला हार्ट अटैक का है। हालांकि विसरा ले लिया है और फोरेंसिक जांच के लिए भेज दिया है।

चाचा बॉबी सिंह निवासी नागर गांव थाना अछनेरा जिला आगरा (उत्तर प्रदेश) ने बताया कि मेरा भतीजा रिंकू (18) एथलीट था। वह रोजाना 5 किलोमीटर रनिंग भी करता था। रिंकू भरतपुर में रहकर रनिंग की तैयारी कर रहा था। रिंकू रविवार सुबह उठा तो उसके पैरों और हाथों में कंपकंपी महसूस हुई। उसका रूम पार्टनर उसे तुरंत प्राइवेट हॉस्पिटल ले गया। वहां से उसे भरतपुर रेफर कर दिया। जहां डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। चाचा ने बताया कि रिंकू के रूम पार्टनर ने ही हमें फोन करके उसकी मौत की जानकारी दी थी। यहां पहुंचने पर डॉक्टर ने बताया कि रिंकू को जो लक्षण थे, वो हार्ट अटैक के हैं। उसे बेचैनी और घबराहट हुई थी।

बॉबी सिंह ने बताया कि रिंकू उत्तरप्रदेश की कई एथलेटिक्स प्रतियोगिताओं में भाग लेता था और मेडल लेकर आता था। उसके पिता भीकम सिंह मजदूरी करते हैं, लेकिन उसकी प्रतिभा को देख हमेशा उसे सपोर्ट करते थे। उसकी रनिंग के प्रति जुनून देखकर हमारे अछनेरा गांव के आस-पड़ोस के लोगों ने उसका भरतपुर में रहकर तैयारी करने का इंतजाम किया था। वह रोजाना लोहागढ़ स्टेडियम में दौड़ लगाने के लिए जाता था। चाचा ने बताया कि रिंकू का बड़ा भाई कानपुर में मजदूरी करता है। उसके परिवार की आर्थिक स्थिति ठीक नहीं है। रिंकू 10 दिन पहले ही स्टेट खेल कर आया है, जहां वह तीसरे नंबर पर आया था। इसके अलावा वह दिसंबर 2024 में ऑल इंडिया यूनिवर्सिटी खेल चुका है। दिसंबर 2024 में ही वह नेशनल खेल चुका है। उसने पांच हजार मीटर रेस में भाग लिया था। उसका सपना था कि वह इंडिया के लिए खेले, लेकिन रिंकू का सपना अधूरा रह गया।

अलवर : करण मल्होत्रा हत्याकांड के चार आरोपी गिरफ्तार

- पुलिस ने हत्या के आरोपियों का नंगे पैर ही शहर में जुलूस निकाला
- आरोपियों ने नौ अक्टूबर की रात को करण मल्होत्रा लाठी-डंडे और रिम से हमला कर हत्या कर दी थी

अलवर, (निसं)। अलवर में करण मल्होत्रा हत्याकांड के चार आरोपियों को गिरफ्तार करके पुलिस ने उनका जुलूस निकाला। पुलिस ने आरोपियों को फटे कपड़ों में नंगे पांव सड़क पर चलाया। इस दौरान सैकड़ों लोगों की भीड़ जमा हो गई, जिनमें से कई ने अपने मोबाइल से इस घटना का वीडियो भी बना लिया।

जानकारी के अनुसार आरोपियों ने नौ अक्टूबर की रात को करण मल्होत्रा (24) पर लाठी-डंडे और साइकिल की रिम से हमला कर हत्या कर दी थी। हमले में युवक के भाई का भी हाथ टूट गया था। पुलिस ने अजरूदीन (28) और मुनफेद (26) को शनिवार सुबह गिरफ्तार किया, जबकि अली मोहम्मद (25) और शाहिद उर्फ सांडा (28) को रविवार को गिरफ्तार किया है। पुलिस अब बाकी फरार आरोपियों की तलाश में जुटी है। बख्तल की चौकी पर करण मल्होत्रा हत्या मामले में शनिवार सुबह माहौल तनावपूर्ण हो गया था। अस्पताल में इकठ्ठा हुए परिवार के लोगों ने हंगामा किया था। दोपहर बाद समझाइश पर धरना खत्म कर दिया गया था।

बेकाबू होकर मिनी ट्रक पलटा

उदयपुर, (कासं)। जिले के बेकरिया थाना क्षेत्र से गुजरने वाले उदयपुर-गुजरात फोरलेन पर आए दिन हादसों का सिलसिला नहीं थम रहा है। शनिवार देर रात खोखरिया नाल सुरंग के पास एक और हादसा हो गया। जानकारी के अनुसार एक तेज रफ्तार मिनी ट्रक अचानक बेकाबू हो गया और बीच सड़क पर पलट गया। ट्रक गोगुंदा की ओर से इलेक्ट्रॉनिक सामान लेकर पिंडवाड़ा की ओर जा रहा था। ड्राइवर को नींद की झपकी आने के कारण ये हादसा हुआ। ट्रक की स्पीड इतनी तेज थी कि वह पलटने के बाद करीब 25 मीटर तक सड़क पर घिसटता रहा। हादसे में कोई जनहानि नहीं हुई। हालांकि चालक और खलासी को हल्की चोटें आई, जिन्हें बेकरिया सरकारी हॉस्पिटल में प्राथमिक उपचार दिया गया। हादसे के बाद हाईवे पर लंबा जाम लग गया। आसपास लोगों की भीड़ जुट गई। सूचना मिलते ही बेकरिया थाना पुलिस मौके पर पहुंची।साथ ही हाईवे एम्बुलेंस और नेशनल हाईवे टीम भी पहुंची। हाईवे टीम ने पुलिस की मदद से ट्रैफिक व्यवस्था बहाल कराई।

होटल पर काम करने आए तीन मजदूरों ने छह लाख रुपए चोरी किये

- होटल मालिक ने गाड़ी खरीदने के लिए रुपए रखे थे, मामला दर्ज

सीकर, (निसं)। सीकर के सदर थाना इलाके में होटल पर काम करने आए 3 मजदूरों ने 6 लाख रुपए चोरी कर लिए। होटल मालिक ने गाड़ी खरीदने के लिए यह रुपए रखे हुए थे। पुलिस अब चोरों की तलाश कर रही है। इस संबंध में रामेश्वर सिंह ने सीकर के सदर थाने में मुकदमा दर्ज करवाया है।

रामेश्वर सिंह ने रिपोर्ट में बताया कि उन्होंने नेशनल हाईवे संख्या 52 पर रसीदपुरा प्याज मंडी के सामने होटल खोल रखा है। होटल पर काम करने के लिए तीन लड़के चाहिए थे। ऐसे में उन्होंने चित्तौड़गढ़ के घनश्याम उर्फ बाबूलाल को बोला। बाबूलाल होटल पर लैबर सप्लाई करने का काम करता है। बाबूलाल ने रामेश्वर की होटल पर 8 अक्टूबर को 3 मजदूर भेजे। इनमें एक का नाम कालू था। उसके साथ दो अन्य मजदूर थे। तीनों एक साथ होटल पर आए और वापस चले गए, फिर रामेश्वर ने बाबूलाल से बात की तो उसने कहा कि आप धनराज से बात करो। रामेश्वर ने धनराज से बात की तो धनराज ने 9 अक्टूबर को कालू और अन्य दो मजदूरों को होटल पर भेजा। दोपहर 3 बजे के करीब तीनों लड़के होटल पर आए। उन्होंने कहा कि 10 अक्टूबर से वह होटल पर काम करना शुरू कर देंगे। जब रामेश्वर ने उनसे आईडी मांगी तो तीनों मजदूरों ने कहा कि वह परसों तक मंगवा देंगे। रात को तीनों लड़के होटल में खाना खाकर स्टाफ रूम में सो गए। होटल में रामेश्वर ने काउंटर में 6 लाख रुपए रखे हुए थे। रामेश्वर यह पैसे अपने रिश्तेदारों से नई गाड़ी खरीदने के लिए लेकर आए थे। सुबह जब रामेश्वर होटल पर आकर देखा तो ऑफिस के काउंटर का लॉक टूटा हुआ था। साथ ही उसमें रखे छह लाख रुपए भी गायब थे। स्टाफ रूम में जब रामेश्वर ने जाकर देखा तो तीनों लड़के नहीं थे। उन्हें जनरेटर के पास संडासी और चाकू पड़े मिले। ऐसे में अंदेशा है कि तीनों मजदूरों ने इन्हीं के जरिए अकाउंट का लॉक तोड़ा हो। जब होटल में लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज चेक किए गए तो पता चला कि 3 से 5 बजे के बीच तीनों मजदूर ऑफिस के अंदर और बाहर आते दिखाई दे रहे हैं। फिलहाल पुलिस अब चोरों की तलाश कर रही है।

विवाहिता ने उपचार के दौरान दम तोड़ा

छबड़ा, (निसं)। कुछ दिनों पूर्व चाय बनाते समय झुलसी खेरखेड़ा नाथूराम गांव निवासी विवाहिता की रविवार को इलाज के दौरान कोटा चिकित्सालय में मौत हो गई, जिसका कोटा एसडीएम द्वारा गठित बोर्ड ने पोस्टमार्टम करवाकर शव मृतका के पिता के सुपुर्द कर दिया।

जानकारी के अनुसार छबड़ा उपखण्ड के खेरखेड़ा नाथूराम गांव निवासी विवाहित महिला रानू कंवर गत 8 अक्टूबर को चाय बनाते समय झुलस गई थी, जिसका उपचार कोटा चिकित्सालय में चल रहा था। रविवार को रानू कंवर ने उपचार के दौरान दम तोड़ दिया। सूचना पर पहुंची पाली थाना पुलिस ने शव को कब्जे में ले लिया तथा कोटा एसडीएम द्वारा गठित बोर्ड से शव का पोस्टमार्टम करवाकर शव मृतका के पिता के सुपुर्द कर दिया।

केवलादेव राष्ट्रीय उद्यान में "पेंटेड स्टॉर्क" की बढ़ती संख्या ने पर्यटकों का मन मोहा

- पेंटेड स्टॉर्क दक्षिण भारत से इस सुरक्षित स्थान पर माह अगस्त सितम्बर में आने लगती है
- पेंटेड स्टॉर्क राष्ट्रीय उद्यान के अपना घोंसला बनाकर वंश वृद्धि कर उनका पालन करती है

वन्यजीव फोटोग्राफर दीपक मुद्गल ने पक्षियों के मनमोहक दृश्यों को अपनी तस्वीरों में कैद किया।

भरतपुर, (निसं)। केवलादेव राष्ट्रीय उद्यान, जो पक्षियों की प्रजातियों के लिए विश्व प्रसिद्ध है, इस बार पेंटेड स्टॉर्क की रिकॉर्ड संख्या के साथ प्रकृति प्रेमियों का दिल जीत रहा है। मानसून की भरपूर बारिश और पानी की निरंतर आपूर्ति ने उद्यान की झीलों को जीवन से भर दिया है, जिससे ये रंग-बिरंगे पक्षी बड़ी संख्या में यहां आकर्षित हुए हैं। उनकी गुलाबी पंखों की चमक और लंबी टांगों की सुंदरता उद्यान को एक जीवंत चित्रपट की तरह सजा रही है।

वन्यजीव फोटोग्राफर दीपक मुद्गल ने इन पक्षियों के मनमोहक दृश्यों को अपनी तस्वीरों में कैद किया है, जो सोशल मीडिया पर लोगों का दिल जीत रही हैं। मुद्गल ने कहा कि सुबह की सुनहरी धूप में इन पक्षियों को उनके घोंसलों में व्यस्त देखना किसी जादू से कम नहीं। यह नजारा न केवल आंखों को सुकून देता है, बल्कि प्रकृति के संरक्षण का महत्व भी सिखाता है। मुद्गल ने बताया कि पेंटेड स्टॉर्क दक्षिण भारत से इस सुरक्षित स्थान पर माह अगस्त सितम्बर में आने लगती हैं जो राष्ट्रीय उद्यान के अपना घोंसला बनाकर वंश वृद्धि कर उनका पालन करती हैं और माह मार्च के आसपास ये अपने बच्चों के साथ वापस दक्षिण भारत लौट जाती है।

डीएफओ मानस सिंह ने इस दृश्य को प्रकृति की अनमोल देन बताया और कहा कि पेंटेड स्टॉर्क की यह संख्या हमारे संरक्षण प्रयासों की सफलता का प्रतीक है। पांचना बांध से पानी और प्रदूषण नियंत्रण के लिए उठाए गए कदमों ने पक्षियों के लिए स्वर्ग जैसा माहौल बनाया है। पर्यटक और स्थानीय लोग साइकिल व रिक्शा सफारी के जरिए इस खूबसूरत नजारे का लुत्फ उठा रहे हैं। यह मनोरम दृश्य न केवल पक्षी प्रेमियों के लिए एक उपहार है, बल्कि हमें इस प्राकृतिक धरोहर को सहेजने की प्रेरणा भी देता है।

ऊर्जा मंत्री के काफिले के आगे बालक आने से कार पलटी, पांच घायल

- मंत्री हीरालाल नागर ने सभी घायलों को अस्पताल भिजवा कर इलाज की व्यवस्था कराई

कोटा, (निसं)। ऊर्जा मंत्री हीरालाल नागर के काफिले में चल रही एक बोलेरो कार रविवार शाम को दुर्घटना की शिकार हो गई। दुर्घटना में पांच जने घायल हुए हैं। मंत्री हीरालाल नागर ने सभी घायलों को अस्पताल भिजवाकर इलाज की पुख्ता व्यवस्था कराई है।

उल्लेखनीय है कि मंत्री नगर रविवार को सुबह विभिन्न कार्यक्रमों में भाग लेने के बाद जयपुर में सीएम भजनलाल शर्मा के साथ होने वाली मीटिंग में भाग लेने के लिए जयपुर जा रहे थे। इसी बीच टोंक में गोपीपुरा के निकट हादसा हो गया। ऊर्जा मंत्री हीरालाल नागर कोटा से जयपुर जा रहे थे। उनके ठीक पीछे एस्कॉर्ट में चल रही बोलेरो कार के आगे अचानक बच्चा आ गया, जिससे कार अनियंत्रित होकर पलट गई। कार में सवार तीन पुलिसकर्मी और चालक घायल हुए हैं, जबकि घायल बच्चे को कोटा रैफर किया गया है। हादसे के बाद ऊर्जा मंत्री हीरालाल नागर ने तत्काल घायलों को अस्पताल पहुंचाया। वहीं जिला कलेक्टर और एसपी से बात कर उनके ईलाज और अन्य व्यवस्थाएं मुहैया कराने के निर्देश दिए। साथ ही पांच वर्षीय बालक हिमांशु धाकड़ को रेफर किए जाने के बाद कोटा एमबीएस अस्पताल में अधीक्षक को फोन कर सभी चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। साथ ही, ऊर्जा मंत्री के कार्यालय का स्टॉफ भी एमबीएस अस्पताल में पहुंच गया। टोंक से बालक के कोटा पहुंचने पर स्वयं अस्पताल अधीक्षक ने खड़े रहकर बच्चे का इलाज करवाया। फिलहाल बालक अस्पताल में भर्ती है। घटना में सहायक उप निरीक्षक मुंशी राम, पुलिसकर्मी रामदयाल, रामदयाल गंगाराम और चालक मनराज गुर्जर भी घायल हुए हैं।

बस लूट प्रयास में पांच आरोपी गिरफ्तार, दो बाल अपचारी डिटेन

वारदात में शामिल ईको गाड़ी ड्राइवर को पूर्व में गिरफ्तार किया जा चुका है

डूंगरपुर, (निसं)। दोवड़ा थाना पुलिस ने लूट की नीयत से बस रुकवाने के पांच और आरोपियों को गिरफ्तार कर दो नाबालिगों को डिटेन किया है। इससे पहले पुलिस वारदात में शामिल एक ईको गाड़ी ड्राइवर को गिरफ्तार कर चुकी है। पुलिस ने बदमाशों से उठक-बैठक लगवाई, जिस पर बदमाशों ने फिर से अपराध नहीं करने की बात कही। फिलहाल पुलिस आरोपियों से पूछताछ कर रही है।

जिले के आसपुर पुलिस उपाधीक्षक हनुवंत सिंह भाटी ने बताया कि करण सिंह पुत्र दौलत सिंह डाबी की ओर से रिपोर्ट दर्ज करवाई गई थी। इसमें बताया कि वह अन्नपूर्णा ट्रैवल्स का मैनेजर है। ट्रैवल्स मैनेजर पदमसिंह डाबी ने फोन कर उसे पुनाली घाटा पर बस पर हमले की वारदात बताई थी। बस ड्राइवर देवकुमार मीणा ने बताया कि उनकी एक बस प्रतिदिन डूंगरपुर से इंदौर जाती है। 7 अक्टूबर देर शाम बस डूंगरपुर से इंदौर जाने के लिए रवाना हुई थी। इस दौरान डूंगरपुर आसपुर मार्ग पर पुनाली घाटा में ईको सवार हथियार बंद बदमाशों ने बस को ओवरटेक करते हुए ईको गाड़ी को बस के आगे लगा दी और बस को रुकवा लिया। बस को रोकते ही कार में सवार करीब सात से आठ युवक हाथों में लठ्ठ और तलवार लेकर नीचे उतरे। बदमाशों को देखकर बस ड्राइवर ने केबिन की लाइट चालू कर दी। लाइट चालू करते ही सवारियां चिल्लाने लगी और हल्ला सुनकर बदमाश भाग खड़े हुए। इस मामले में पुलिस ने केस दर्ज करते हुए कार के नम्बर के आधार पर बदमाशों की तलाश शुरू कर दी।

पुलिस ने कार के ड्राइवर सोहनलाल उर्फ सोहन पुत्र शंकर परमार निवासी कांकरी को 9 अक्टूबर को गिरफ्तार कर लिया था। उसने अपने साथियों के नाम भी बताए, जिस पर पुलिस ने उसके साथियों की तलाश शुरू की। पुलिस ने कोलखंडा निवासी गोपाल परमार, कालू गामडा निवासी अंकित मीणा, अभिषेक मीणा, भाविन मीणा और पालमांडव निवासी संजय परमार को गिरफ्तार किया है।

अवैध हथकढ़ शराब के साथ दो गिरफ्तार

छबड़ा, (निसं)। बापचा थाना पुलिस ने अवैध शराब के विरुद्ध चलाये जा रहे अभियान के तहत हथकड़ शराब सहित दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। बापचा थानाधिकारी बुद्धराम के अनुसार भेरुघाटी गांव (कोटरापार) से आरोपी रवि सांसी निवासी तलैया महुआ खाडी थाना मुंगावली जिला अशोक नगर हाल ग्राम लक्ष्मीपुरा (छबड़ा) से 15 लीटर अवैध कच्ची हथकढ़ शराब व अपराध में प्रयुक्त बाइक जब्त की। वहीं दूसरी टीम द्वारा गोडियामेहर नाका के पास से शिब्बू उर्फ शिवचरण गुर्जर निवासी छत्रपुरा थाना बापचा को भी 15 लीटर अवैध कच्ची हथकड़ शराब के साथ गिरफ्तार किया।

पुलिस निगरानी में हुआ डीएपी का वितरण

नोहर, (निसं)। डीएपी वितरण को लेकर नोहर में भी गहमा-गहमी का माहौल रहा। किसानों में डीएपी लेने को लेकर मारामारी रही। हालांकि बीती रात को ही किसान यहां सहकारी समिति के गोदाम के समक्ष जुटने लगे थे। अलसुबह हजारों किसानों की भीड़ गोदाम के समक्ष जुटी दिखाई दी। बढ़ती भीड़ और महज 1400 थैले डीएपी को देखते हुए स्थित कई बार तनावपूर्ण बनी। सूचना के बाद मौके पर पहुंचे एसडीएम राहुल श्रीवास्तव व थाना अधिकारी ईश्वरानंद शर्मा ने किसानों से समझाइश कर स्थिति को संभाला। उसके बाद सुचारू रूप से डीएपी बैग का वितरण किया जा सका।

भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता सैयद शाहनवाज हुसैन ने दरगाह जियारत की

ख्वाजा मोइनुद्दीन चिश्ती की दरगाह में बीजेपी के राष्ट्रीय प्रवक्ता सैयद शाहनवाज हुसैन ने जियारत की।

- शाहनवाज हुसैन ने मखमली चादर और फूल चढ़ाये, बिहार चुनाव के लिए जीत की दुआ मांगी

अजमेर, (कासं)। विश्व प्रसिद्ध सूफी संत हजरत ख्वाजा मोइनुद्दीन चिश्ती की दरगाह में शनिवार को भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) के राष्ट्रीय प्रवक्ता और पूर्व केंद्रीय मंत्री सैयद शाहनवाज हुसैन ने जियारत की। इस मौके पर उन्होंने दरगाह में मखमली चादर और फूल चढ़ाकर अपनी श्रद्धा अर्पित की। शाहनवाज हुसैन ने दरगाह में बिहार विधानसभा चुनाव में अपनी पार्टी की जीत के लिए विशेष दुआ मांगी। दरगाह के ख़ादिम शेखजादा दौलत अली चिश्ती ने ज़ियारत करवाई और दस्तारबंदी कर दरगाह शरीफ का तबर्रुक दिया।

दरगाह में जियारत के बाद मीडिया से बातचीत के दौरान सैयद शाहनवाज हुसैन ने कहा कि ख्वाजा साहब की दरगाह आस्था और एकता का प्रतीक है। मैंने यहां बिहार विधानसभा चुनाव में बीजेपी और हमारे गठबंधन की जीत के लिए दुआ मांगी है। ख्वाजा साहब का आशीर्वाद हमेशा देश और समाज की बेहतरी के लिए रहा है। उन्होंने आगे कहा कि बिहार की जनता इस बार भी राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) पर भरोसा जताएगी और विकास के रास्ते पर चलते हुए बीजेपी को प्रचंड जीत दिलाएगी। सैयद शाहनवाज हुसैन ने दरगाह में करीब आधे घंटे तक समय बिताया और ख्वाजा साहब की मजार पर माथा टेका। इस दौरान उन्होंने दरगाह के खादिम सैयद अब्दुल बारी के परिजन सैयद वशिम चिश्ती से मुलाकात कर शौक व्यक्त किया। उसके बाद सूफी संत हज़रत ख्वाजा मोईनुद्दीन चिश्ती के जीवन व उनके संदेशों पर चर्चा की। शाहनवाज ने कहा कि ख्वाजा साहब का संदेश प्रेम, भाईचारा और इंसानियत का है, जो आज भी समाज को एकजुट करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

दो ट्रेलर की भिड़ंत, दोनों चालक घायल

उदयपुर, (कासं)। उदयपुर के खेरोदा थाना क्षेत्र में नेशनल हाईवे-48 पर रविवार दोपहर दो बजे दो ट्रेलर की आमने-सामने भिड़ंत हो गई। हादसे में दोनों वाहनों के चालक घायल हो गये, जिन्हें अस्पताल पहुंचाया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार उदयपुर की तरफ से आ रहा एक ट्रेलर अचानक अनियंत्रित होकर दूसरी लेन में जा पहुंचा। इसके बाद दूसरी लेन में भीलवाड़ा की ओर से आ रहे दूसरे ट्रेलर से भिड़ गया। टक्कर के बाद दोनों ट्रेलरों के केबिन पूरी तरह पिचक गए। इसमें दोनों ट्रेलरों के ड्राइवर बुरी तरह फंस गए। पुलिस ने घायलों को इलाज के लिए अस्पताल भेजा।

टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि दोनों ट्रेलरों के केबिन पूरी तरह पिचक गए, जिसमें दोनों ट्रेलरों के ड्राइवर बुरी तरह फंस गए। हादसा मेनार तीन मुखी पुलिया के पास रविवार दोपहर करीब दो बजे हुआ। उदयपुर से जा रहे ट्रेलर का ड्राइवर किशन बैरवा गंभीर घायल हो गया। वहीं दूसरे ट्रेलर का ड्राइवर श्यामलाल कीर को मामूली चोट लगी। घायल ड्राइवर किशन बैरवा को स्थानीय ग्रामीणों और हाईवे एम्बुलेंस की मदद से बाहर निकाला, फिर मेनार हॉस्पिटल पहुंचाया, जहां इलाज के बाद उदयपुर एमबी हॉस्पिटल रेफर कर दिया।

जैसलमेर में कांग्रेस जिला अध्यक्ष को लेकर गुटबाजी उलझन बनी

- कांग्रेस संगठन दो प्रमुख खेमों में बंटा हुआ है-एक ओर फकीर परिवार का प्रभावशील समूह, तो दूसरी ओर जननेता पूर्व विधायक रूपाराम धनदेव का संगठनात्मक नेटवर्क
- फकीर परिवार जहां अल्पसंख्यक समाज से जिलाध्यक्ष की मांग कर रहा है, वहीं रूपाराम धनदेव का खेमा मूल ओबीसी समाज से अध्यक्ष बनाए जाने की वकालत कर रहा है
- वर्तमान जिलाध्यक्ष उम्मेदसिंह तंवर का कार्यकाल भी चर्चा में है, वे संगठनात्मक रूप से सक्रिय हैं

पोकरण/जैसलमेर, (कासं)। जिले की कांग्रेस इकाई इस समय अपने सबसे संवेदनशील दौर से गुजर रही है। जिलाध्यक्ष पद को लेकर मचा घमासान अब खुलकर सतह पर आ गया है। वर्षों से सुलग रही गुटबाजी अब मंचों पर और बैठकों में खुलकर दिखाई देने लगी है। कांग्रेस संगठन दो प्रमुख खेमों में बंटा हुआ है-एक ओर फकीर परिवार का प्रभावशील समूह, तो दूसरी ओर जननेता पूर्व विधायक रूपाराम धनदेव का संगठनात्मक नेटवर्क। दोनों गुट वर्षों से प्रत्यक्ष टकराव से बचते रहे, लेकिन हालिया बैठकों और नेताओं के बयानों ने साफ कर दिया है कि संगठन के भीतर खींचतान अब निर्णायक मोड पर है। फकीर परिवार जहां अल्पसंख्यक समाज से जिलाध्यक्ष की मांग कर रहा है, वहीं रूपाराम धनदेव का खेमा मूल ओबीसी समाज से अध्यक्ष बनाए जाने की वकालत कर रहा है। इसी बीच, कांग्रेस संगठन द्वारा जिला अध्यक्ष पद के लिए अधिकतम आयु सीमा 45 वर्ष तय करने से नए समीकरण बन गए हैं। यह निर्णय कई वरिष्ठ नेताओं के लिए चुनौती बनकर उभरा है और संगठन के भीतर नई हलचल तेज हो गई है। वर्तमान जिलाध्यक्ष उम्मेदसिंह तंवर का कार्यकाल भी चर्चा में है। वे संगठनात्मक रूप से सक्रिय हैं, लेकिन धनदेव गुट के करीबी माने जाते हैं, इसलिए उनकी दावेदारी पर गुटीय राजनीति का प्रभाव साफ झलकता है।

पार्टी सूत्रों के अनुसार, संगठनात्मक निर्णय गुटीय दबाव में उलझ रहे हैं। कार्यकर्ता मानते हैं कि पिछली विधानसभा चुनाव में कांग्रेस की दोनों सीटों पर हार का बड़ा कारण यही आंतरिक खींचतान रही। जैसलमेर जिले की दोनों सीटों पर एससी एसटी एवं अल्पसंख्यक मतदाता बराबरी की टक्कर में अपने जन नेताओं के इशारों पर मतदान करते हैं। पोकरण से पूर्व मंत्री सालेह मोहम्मद की हार इसका सबसे बडा उदाहरण मानी जा रही है। दूसरी ओर, रूपाराम धनदेव अब भी मजबूत जनाधार वाले नेता के रूप में देखे जाते हैं। उन्होंने गांव-ढाणी तक संगठन खड़ा करने के लिए वर्षों तक मेहनत की, भले ही वे चुनाव न जीत पाए हो।

जिला अध्यक्ष पद की दौड़ में सबसे आगे पूर्व प्रधान अमरदीन फकीर माने जा रहे हैं। पंचायत स्तर से राजनीति शुरू करने वाले अमरदीन ने अपने कार्यकाल में विकास कार्यों और जनसंपर्क के जरिए मजबूत जनाधार बनाया है। वहीं जिला अध्यक्ष पद पर विधानसभा क्षेत्र के कांग्रेस के सक्रिय युवा कार्यकर्ता के नाम पर मोहर लगा सकती है। इसके अलावा विकास व्यास, मुराद फकीर, कर्नल अचलाराम सैन, पीयूष गोस्वामी और लखसिंह भाटी, गोपाल रंगा के नाम भी दावेदारों की सूची में शामिल हैं।

पार्टी सूत्रों के मुताबिक, अंतिम फैसला अमरदीन फकीर, गोपाल रंगा, मुराद फकीर, उम्मेदसिंह तंवर या कर्नल सैन में से किसी एक पर टिक सकता है। वही दिलचस्प रूप से भले ही रूपाराम धनदेव खुद इस रेस में शामिल न हों, लेकिन उनका समर्थन जिस ओर झुकेगा, वही दावेदार भारी पड़ सकता है। संगठन में उनकी रणनीतिक पकड़ और अनुभव को देखते हुए हाईकमान भी निर्णय को लेकर सावधानी बरत रहा है। जिले की राजनीति इस वक्त एक ही सवाल पर अटकी है-आखिर जिला कांग्रेस अध्यक्ष कौन बनेगा? चर्चा का केंद्र संगठन की मजबूती नहीं, बल्कि गुटीय वर्चस्व है। यदि कांग्रेस को पुनः मजबूत होना है, तो उसे ऐसा नेतृत्व चुनना होगा जो गुटबाजी से ऊपर उठकर संगठन को प्राथमिकता देवे। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि यदि अमरदीन फकीर का युवा नेतृत्व और रूपाराम धनदेव का अनुभव एक साथ आया, तो यह कांग्रेस के लिए टर्निंग पॉइंट साबित हो सकता है।